

अर्जित अवकाश पुं. (तत्.) दे. अर्जित छुट्टी।

अर्जित छुट्टी पुं. (तत्.+तद्.) (प्रशा.) सवेतन छुट्टी जो कर्मचारी के अवकाश खाते में अर्धवार्षिक आधार पर एक निश्चित संख्या तक जमा होती रहती है।

अर्जी स्त्री. (अर.) आवेदन-पत्र, प्रार्थना-पत्र।

अर्जीनवीस पुं. (अर.) अर्जी लिखने वाला।

अर्जुन वि. (तत्.) 1. श्वेतवर्ण, चमकीला, स्वच्छ, उज्ज्वल पुं. 2. पाँच पांडवों में से मँझले का नाम, जो महाभारत युद्ध के नायक थे, ये गोरे (श्वेतवर्ण) थे 2. एक वृक्ष-विशेष जर्मिनेलिया अर्जुना जो दक्षिण से अवध-प्रांत तक मिलता है और जिसकी छाल दवा के काम आती है 3. हैहय नरेश, कार्तवीर्य 4. इकलौता बेटा 5. मोर 6. चाँदी 7. सोना 8. दूब 9. आँख का एक रोग।

अर्जुनोपम स्त्री (तत्.) सागौन या टीक का वृक्ष।

अर्णव पुं. (तत्.) 1. समुद्र 2. सूर्य 3. इंद्र 4. अंतरिक्ष 5. एक वृत्त 6. रत्न, मणि वि. गतिमान, फेनिल, तरंगित।

अर्णवज पुं. (तत्.) 1. समुद्र से उत्पन्न। समुद्र का फेन।

अर्णवनेमि स्त्री. (तत्.) (समुद्र से घिरी) पृथ्वी, धरती।

अर्णवपति पुं. (तत्.) महासागर, महासमुद्र पर्या. अबुधि, अंबुनिधि, क्षीरनिधि, जलनिधि, पयोधि, पयोनिधि, पारावार, महोदधि।

अर्णवपोत पुं. (तत्.) 1. समुद्री जहाज 2. जलयान।

अर्णवोद्भव पुं. (तत्.) 1. (समुद्र से उत्पन्न) चंद्रमा 2. अमृत 3. अग्निजार नामक पौधा।

अर्णवोद्भवा स्त्री. (तत्.) लक्ष्मी।

अर्णस पु. (तत्.) जल तरंग, धारा, तरंगों से भरा हुआ

अर्णा स्त्री. (तत्.) नदी।

अर्णो पुं. (तत्.) अर्णस का समासगत रूप, धारा, बाल रोग।

अर्णोद पुं. (तत्.) 1. (जल देने वाला) बादल 2. मोथा नामक वनस्पति।

अर्णोनिधि पुं. (तत्.) जलनिधि, सागर, समुद्र।

अर्णोरुह पुं. (तत्.) जलरुह, जलज, कमल।

अर्तन पुं. निंदा, बुराई, फटकार, भर्त्सना वि. 1. निंदक, दोषारोपण कर्त्ता 2. दुःखित, खिन्न।

अर्ति स्त्री. (तत्.) 1. कष्ट, पीड़ा, धनुष की नौक।

अर्थ पुं. (तत्.) 1. अभिप्राय, आशय, मतलब 2. शब्दार्थ, प्रयोजन 3. धन, संपत्ति 4. परिणाम, फल 5. वस्तुस्थिति 6. जीवन के चार पुरुषार्थ-धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष में से एक अर्थ।

अर्थ-अपनिरूपण पुं. (तत्.) यथायोग्य अर्थ न निकालकर अनुचित अर्थ निकालना, तोड़ मरोड़कर अर्थ निकालना।

अर्थक वि. (तत्.) 1. धन कमाने वाला 2. धन संबंधी 3. अर्थयुक्त।

अर्थकर वि. (तत्.) धनार्जक, धन कमाने वाला, जिससे धन प्राप्त हो।

अर्थकर्म पुं. (तत्.) 1. मुख्य कार्य 2. परिणामदायक कार्य 3. धनार्जक कार्य।

अर्थकाम, अर्थकारी वि. (तत्.) धन की कामना करने वाला, धनाभिलाषी, धन को लक्ष्य मानने वाला।

अर्थ-कृच्छ्र पु. (तत्.) 1. धन-संबंधी कठिनाई या संकट 2. आय से अधिक व्यय करने पर होने वाली धन की कमी 3. जिसका अर्थ समझना कठिन हो।

अर्थगत वि. (तत्.) 1. वाक्य या पद या शब्द के अर्थ पर आश्रित 2. धन-संबंधी।

अर्थगर्भित वि. (तत्.) (गहन) अर्थ-युक्त।

अर्थगांभीर्य पुं. (तत्.) दे. अर्थगौरव।

अर्थगृह पुं. (तत्.) कोष, खजाना, कोषागार।